पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)

राज्यपाल व्यापारियों के सम्मान समारोह में सम्मिलित हुई

राज्यपाल ने "भामाशाह रत्न" व "उद्योग रत्न" सम्मान से व्यापारियों को किया सम्मानित

देश का अन्नदाता अगर किसान है तो भारत के विकास की गाथा का हिस्सा व्यापारी बंधु है

देश की अर्थव्यवस्था का आधार व्यापारी समाज है

समस्याओं का समाधान करना सरकार और संगठन का कार्य है
राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊ : 18 फरवरी, 2024

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल आज लखनऊ स्थित रविंद्रालय, चारबाग में राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के तत्वावधान में आयोजित व्यापारियों के सम्मान समारोह में सम्मिलित हुई।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में व्यापारी जनों को संबोधित करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि देश का अन्नदाता अगर किसान है तो भारत के विकास की गाथा का हिस्सा व्यापारी बंधु है। उन्होंने आजादी के आंदोलन में विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार करने के आंदोलन में व्यापारियों की अग्रणी भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि देश की अर्थव्यवस्था का आधार व्यापारी समाज है। उन्होंने कहा कि आज पुरुषों के साथ–साथ महिलाएं भी कंधे से कंधा मिलाकर व्यापार और उद्योग में भागीदारी कर रही हैं, जिसका असर समाज की मानसिकता पर भी पड़ता है तथा महिलाओं के खिलाफ अपराध कम करने में मदद मिलती है।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी व्यापारी बंधुओ को संबोधित करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं। उन्होनें कहा कि उद्यमी और व्यापारी भारत की हरसिद्धि में पूरे मनियोग से लगकर उसे कामयाब बनकर आगे बढ़ने का कार्य कर रहे हैं।

राज्यपाल जी ने कहा कि व्यापारी समाज धार्मिक व सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रूप से हिस्सा लेते हैं, इस क्रम में उन्होंने कोरोना काल की विषम परिस्थितियों में व्यापारी वर्गों के योगदान को महत्वपूर्ण बताया।

राज्यपाल जी ने कहा कि छोटे, मध्यम एवं बड़े व्यापारी यदि सामंजस्य एवं समन्वय के साथ कार्य करें तो सबका भला होता है। राज्यपाल जी ने कहा कि जब किसान खेती हेतु बैंक से ऋण लेते हैं और फसल अच्छी नहीं होने पर उन पर ऋण का बोझ बढ़ता है तो सरकार सहायता करती है। उन्होंने कहा कि समस्याओं का समाधान करना सरकार और संगठन का कार्य है।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि व्यापारीजन अपनी समस्याओं के संदर्भ में प्रदेश के मंत्रियों के साथ बैठकर चर्चा करें तथा जनपदों में भी व्यापारियों के साथ समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि समस्याओं के जड़ को ढूंढने व नियमों का पालन करने की मानसिकता विकसित करने की जरूरत है। इस संदर्भ में गुजरात में राजस्व एवं नगर विकास मंत्री के रूप में उन्होंने अपने कार्यानुभवों को भी व्यापारी बंधुओ से साझा किया।

राज्यपाल जी ने राजस्व व्यवस्था में सुधार की जरूरत बताते हुए कहा कि राजस्व का रिकॉर्ड अद्यतन, ऑनलाइन तथा शुद्ध होना चाहिए। उत्तर प्रदेश में महिलाओं को मिल रहे सुरक्षित वातावरण पर प्रसन्नता व्यक्त करते उन्होंने कहा कि परिस्थितियां बदली हैं तथा सोच में परिवर्तन हुआ है। उन्होनें कहा कि सुरक्षा का वातावरण व्यापारी, डॉक्टर, विद्यार्थी सभी के लिए होना चाहिए।

राज्यपाल जी ने व्यापारी बंधुओ को संबोधित करते हुए कहा कि अपने बच्चों को इस तरह तैयार करें कि वे अपनी जिंदगी खुद जी सके। उन्होंने कहा

कि बेटे और बेटियों को किसी भी प्रकार की विपत्ति से लड़ने की ताकत देनी चाहिए।

इस अवसर पर 06 व्यापारियों को ''भामाशाह रत्न'' सम्मान व 03 व्यापारियों को ''उद्योग रत्न'' सम्मान से राज्यपाल जी ने सम्मानित किया। ''भामाशाह रत्न'' सम्मान से सम्मानित होने वाले व्यापारियों में श्री सुधीर हलवासिया, श्री शिवम बिश्नोई, श्री अजीत बग्गा, श्री संतोष गुप्ता, श्री राजू जयराम व श्री गोविंद बाबू टाटा शामिल थे। ''उद्योग रत्न'' सम्मान से सम्मानित होने वाले व्यापारी श्री मनोज गोयल, श्री मुरलीधर आहूजा एवं श्री संदीप अग्रवाल थे।

इस अवसर पर राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित गुप्ता द्वारा राज्यपाल जी को व्यापारियों के हितों से संबंधित एक सुझाव पत्र भी सौंपा गया।

इस अवसर पर प्रदेशभर से आये हुए व्यापारीगण उपस्थित रहे।

————————

कृष्ण कुमार– सूचना अधिकारी/राजभवन
सम्पर्क सूत्र 9454468250

राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन

राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन